بسم الله الرحمن الرحيم

شارٹ کورس _نمازاورقرآن کوسمجھنا شروع کیجیے

## فائنل امتحان (نشانات : 300)

سوال نمبرا: نیچے دیے گئے سبھی الفاظ کے معنی لکھیے. (نشانات : 90، ہرجواب پرایک نشان).

| لاَ، لاَ!!! | |
|---|---|
| 1732 | لا |
| 347 | لَمْ |
| 104 | لَنْ |
| 2155 | ما |
| 147 | غَيْر |
| 666 | إلا |
| | إنْ ... إلا |
| | ما... إلا |

| هذَا، هؤلاَء، ... | |
|---|---|
| 225 | هٰذَا mg |
| 46 | هٰؤلاءِ |
| 427 | ذلك mg |
| 204 | أولئكَ |
| 304 | الذي mg |
| 1080 | الذين mg |

| هُوَ، هُمْ، ... | |
|---|---|
| 481 | هو mg |
| 444 | هُمْ mg |
| 81 | أنت mg |
| 135 | أنتم mg |
| 68 | أنا mg/fg |
| 86 | نحْن mg/fg |
| 63 | هي fg |

| مَا؟، مَنْ؟، كيف؟ ... | |
|---|---|
| ** | ما ؟ |
| 823 | مَنْ ؟ |
| 83 | كَيْف ؟ |

| إذَا، ثُمَ، بعد... | |
|---|---|
| 239 | إذْ |
| 454 | إذَا |
| 196 | بَعْد |
| 338 | ثُم |
| 197 | عِنْد |

| حروف جر،... Prepositions | |
|---|---|
| 1367 | لَ ، لِ |
| 3026 | مِنْ |
| 404 | عَنْ |
| 163 | مع |
| 510 | بِ |
| 1658 | في |
| 1423 | علٰى |
| 736 | إلٰى |

| إنّ، أنّ، إنَ، أن، ... | |
|---|---|
| 628 | أنْ |
| 1297 | أن |
| 576 | إنْ |
| 263 | إن |
| 146 | إنما |
| 200 | لَوْ |
| 150 | يا، ياأيها |
| 150 | لَ |
| 150 | لِ |
| 409 | قَدْ |

| صفات Attributes | |
|---|---|
| 82 | أول أولٰى |
| 40 | آخر آخرة |
| 57 | رحْمٰن |
| 970 | رب |
| 91 | غَفُور |
| 162 | عليم |
| 74 | كثير كثيرة |
| 182 | رحيم |

| آيات ... Signs | |
|---|---|
| 70 | قُرْآن |
| 461 | أرض |
| 310 | سماء (سماوات pl) |

| أنبياء، رسل، ... | |
|---|---|
| 332 | رسول (رسل pl) |
| 75 | نبي (نبيون، نبيّين، أنبياء pl) |
| 279 | آدم نوح إبراهيم لوط |
| 279 | إسْماعيل يعْقُوب (إسْرائيل) |
| 225 | هود شعيب موسىٰ عيسى ابن مرْيم |

| شيطان وغيره | |
|---|---|
| 88 | شَيْطَان (شياطين pl ) |
| 74 | فرْعَوْن |

| آخرة | |
|---|---|
| 115 | الآخرة |
| 147 | جنة (جنات pl) الجنة |
| 77 | جهنم |
| 322 | عذَاب |
| 145 | نار |
| 393 | يوْم (أيام pl) |

| عقيدة، ... | |
|---|---|
| 2702 | الله (اللّهم) |
| 85 | أحد (إحْدىٰ fg) |
| 34 | إلـٰـه (آلهة pl) |
| 261 | كتاب (كُتب pl) |
| 88 | ملك(ملائكة pl) |
| 247 | حق |
| 43 | حمْد |
| 92 | دين |
| 83 | صلاة |
| 84 | فَضْل |
| 31 | حسنة (حسنات pl) |
| 186 | خَيْر |

| People, world, ... | |
|---|---|
| 293 | نفْس (أنفُس pl) |
| 126 | عَبْد (عباد pl) |
| 65 | أنسان |
| 248 | ناس |
| 383 | قَوْم |
| 115 | دُنيا |
| 176 | سبيل (سبل pl ) |
| 46 | صراط |
| 73 | عالَم (عالَمين pl) |
| 86 | مال (أموال pl) |

سوال نمبر2: نیچے دیے گئے افعال کے معنی اور اسکے پانچ مختلف صیغے لکھیے. مثال کے طور پر پہلی لائن میں معنی اور پانچوں صیغے دیے گئے ہیں. (نشانات: 138، ہر جواب پر ایک نشان).

| to do | فَعْل | مفْعول | فَاعل | افْعلْ | يفْعلُ | فَعلَ | 105 |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | فَتح | 29 |
| | | | | | | جعلَ | 346 |
| | | | | | | نصر | 92 |
| | | | | | | خلَق | 248 |
| | | | | | | كَفَر | 461 |
| | | | | | | ذَكَر | 163 |
| | | | | | | رزق | 122 |
| | | | | | | دخلَ | 78 |
| | | | | | | عبد | 143 |
| | | | | | | ضرب | 58 |
| | | | | | | غَفَر | 95 |
| | | | | | | صبر | 53 |
| | | | | | | ظَلم | 266 |
| | | | | | | سمع | 100 |
| | | | | | | رحم | 148 |
| | | | | | | علم | 518 |
| | | | | | | عملَ | 318 |
| | | | | | | قَالَ | 1719 |
| | | | | | | قَام | 55 |
| | | | | | | كَانَ | 1361 |
| | | | | | | دعا | 197 |
| | | | | | | شاَء | 277 |
| | | | | | | جاَء | 236 |

سوال نمبر ۳: نیچے دیے گئے ضمائر وغیرہ کے معنی لکھیے. (نشانات: 22، ہر جواب پر ایک نشان).

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | غَيْرِه‘ (غَيْر + ه) | 12 | عما (عن + ما) |
| 2 | فَأُولَـٰئِك (ف + أُولَـٰئِك) | 13 | أننا (أن + نا) |
| 3 | فَمِنْها (ف+ مِنْ + ها) | 14 | فَلَهُمْ |
| 4 | فَإِنْ (ف + إِنْ) | 15 | ولَوْ (و + لَوْ) |
| 5 | مما (مِنْ + ما) | 16 | فَإنه (ف + إن + ه) |
| 6 | أنهمْ | 17 | فَمِنْهُمْ (ف + مِنْ + هُمْ) |
| 7 | ولنا | 18 | ولَكُمْ |
| 8 | فَقَدْ | 19 | فَهي |
| 9 | فَإنما | 20 | ولَقَدْ |
| 10 | فَعلَيها | 21 | فَعَلَها |
| 11 | ولَها | 22 | فَعِنْده‘ |

سوال نمبر ۴: نیچے دیے گئے افعال کے معنی لکھیے: (نشانات: 20، ہر جواب پر ایک نشان).

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | فَلْيَعْبدوا | 11 | فَاذْكُروني |
| 2 | واجْعلوا | 12 | يخْلُقُكُمْ |
| 3 | ينْصركُمْ | 13 | تدْعونا (تدْعو + نا) |
| 4 | تدْعوننا (تدْعونَ + نا) | 14 | جِئْتكُمْ |
| 5 | كُفْرهمْ | 15 | يعْبدونني |
| 6 | أذْكُركُم | 16 | ظَلَمْناهمْ |
| 7 | جاءَهمْ | 17 | ظَلَمونا |
| 8 | فَافْعلُوا | 18 | ظَلَمْنا |
| 9 | فَجعلْناها | 19 | خلَقَهمْ |
| 10 | فَضْلهٖ | 20 | خلَقْناهمْ |

سوال نمبر۵: نیچے دیے گئے صرف ان الفاظ کے معنی لکھیے جن کے نیچے خط ہے۔ (نشانات : 30، ہر جواب پر 2 نشان).

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | وإن من شيْءٍ إلا يسبح بِحمْدِه | 17.44 | اور نہیں کوئی چیز مگر (ہر شے)..... بیان کرتی ہے اسکی حمد کے ساتھ |
| 2 | هذَا من فَضْل ربي ليَبْلُوني أأشْكُر أمْ أكْفُر | 27.40 | یہ میرے رب کے فضل سے ہے، تاکہ وہ مجھے آزمائے آیا میں شکر کرتا ہوں یا ..... کرتا ہوں |
| 3 | من ذَا الذي يشْفَع عْنده' إلا بإذْنِه | 2.255 | ..... ہے جو سفارش کرے؟ اس کے پاس اس کی اجازت کے بغیر، |
| 4 | سُبْحانَ ربك رب العزة عما يصفُونَ | 37.180 | پاک ہے تمہارا رب، عزت والا رب، ..... وہ بیان کرتے ہیں۔ |
| 5 | ومنْ آياته اللّيْلُ والنهار والشمْس والقَمر | 41.37 | اور ..... میں سے ہیں رات اور دن، اور سورج اور چاند۔ |
| 6 | أولـئك على هدى مّن ربهم | Hadith | ..... اپنے رب کی طرف سے ہدایت پر ہیں |
| 7 | ولا تكُونوا كالذين نسوا اللهَ فَأنساهمْ أنفُسهمْ | 59.19 | ..... ان لوگوں کی طرح جنہوں نے اللہ کو بھلادیا، تو اللہ نے (ایسا کردیا) کہ انہوں نے..... کو بھلادیا۔ |
| 8 | ربنا ولا تحْملْ علْينا إصْرا كما حملْته على الذين من قبْلنا | 2.286 | اے ہمارے رب! ہم پر بوجھ نہ ڈال، جیسے تونے ڈالا ہم سے پہلے..... |
| 9 | ولا يحيطُونَ بِشيْءٍ منْ علْمه إلا بِما شاءَ | 2:255 | ، اور وہ نہیں احاطہ کرسکتے ..... ..... کسی چیز کا مگر جتنا وہ چاہے |
| 10 | ما أغْنى عْنه ماله وما كسب، | 111.2 | اس کے کام نہ آیا ..... اور جو اس نے کمایا |
| 11 | الرحْمـن * علم القُرْآنَ * خلق الْإنسانَ * علمه الْبيانَ | 55:1-4 | رحمن نے قرآن..... اس نے انسان کو پیدا کیا۔ اس نے اسے بات کرنا ..... ۔ |
| 12 | الذين إذَا أصابتْهم مصيبةٌ قَالُوا إنا للّه وإنـا إلَيْه راجِعونَ | 2.156 | ..... جب کوئی مصیبت پہنچے تو وہ کہیں گے یقیناہم اللہ کے لے ہیں اور یقینا ہم اس کی طرف..... ہیں |
| 13 | اللّهم انيْ اسْئلُك منْ فَضْلك | Hadith | اے اللہ بے شک میں تجھ سے ..... سوال کرتا ہوں ۔ |
| 14 | إن اللهَ خبير بِما تعْملُونَ * | 59.18 | بیشک جو..... اللہ اس سے با خبر ہے۔ |
| 15 | لَوْ أنزلنا هـذَا القُرْآنَ على جبلٍ لرأيته' خاشعا متصدعا منْ خشْية الله | 59.21 | ..... ہم نازل کرتے..... قرآن کو کسی پہاڑ پر تو تم اس کو اللہ کے خوف سے دبا (جھکا) ہوا ٹکڑے ٹکڑے دیکھتے |

بسم اللہ الرحمن الرحیم

شارٹ کورس _نماز اور قرآن کو سمجھنا شروع کیجیے

# جوابات - فائنل امتحان (نشانات : 300)

سوال نمبر ۱ اور ۲ : جوابات کے لیے براہ کرم سبق ۲۵ اور ۲۶ کو دیکھ لیجیے.

سوال نمبر ۳: نیچے دیے گئے ضمائر وغیرہ کے معنی لکھیے. (نشانات : 22، ہر جواب پر ایک نشان).

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | غَيْرِهٖ (غَيْر + ہ) | سوائے اسکے | 12 | عما (عن + ما) | (اس) سے جو |
| 2 | فَأُولٰـئِك (ف + أُولٰـئِك) | پس وہ سب | 13 | أننا (أن + نا) | کہ ہم |
| 3 | فَمِنْها (ف+ مِنْ + ها) | پس اس سے | 14 | فَلَهُمْ | پس ان سب کے لیے |
| 4 | فَإِنْ (ف + إِنْ) | پس اگر | 15 | ولَوْ (و + لَوْ) | اور اگر |
| 5 | مما (مِنْ + ما) | اس سے جو | 16 | فَإِنه (ف + إِن + ہ) | تو بیشک یہ |
| 6 | أَنهمْ | کہ بیشک وہ | 17 | فَمنهم (ف +من+ هم) | پس ان سے |
| 7 | ولَنا | اور ہمارے لیے | 18 | ولَكُمْ | اور ان سب کے لیے |
| 8 | فَقَدْ | پس تحقیق | 19 | فَهِي | تو وہ (مونث) تو وہ سب |
| 9 | فَإِنما | پس تحقیق | 20 | ولَقَدْ | اور پس تحقیق |
| 10 | فَعَلَيْها | پس اس پر (مونث) | 21 | فَعْلَها | اسکا عمل (مونث) |
| 11 | ولَها | اور اس کے لیے (مونث | 22 | فَعْنده | پس اسکے نزدیک |

سوال نمبر ۴: نیچے دیے گئے افعال کے معنی لکھیے: (نشانات : 20، ہر جواب پر ایک نشان).

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | فَلْيَعْبدوا | پس عبادت کریں اسکی | 11 | فَاذْكُرونِي | پس مجھکو یاد کرو |
| 2 | واجْعلوا | اور (تم سب) بناؤ | 12 | يَخْلُقُكُمْ | اسنے تمکو پیدا کیا |
| 3 | يَنصركُمْ | وہ مدد کریگا تم سب کی | 13 | تَدْعونا (تَدْعو + نا) | تم ہمیں پکارو |
| 4 | تَدْعوننا (تَدْعونَ + نا) | انہوں نے ہمیں پکارا | 14 | جِئْتكُمْ | میں آیا تم سب کے پاس |
| 5 | كُفْرهِمْ | ان سب کا کفر | 15 | يَعْبدونَنِي | وہ سب میری عبادت کرتے ہیں |
| 6 | أَذْكُركُم | میں تم کو یاد رکھونگا | 16 | ظَلَمْناهمْ | ہم نے ظلم کیا ان سب پر |
| 7 | جاءَهمْ | آیے انکے پاس | 17 | ظَلَمونا | انہوں نے ظلم کیا ہم پر |
| 8 | فَافْعلوا | پس (تم سب) کرو | 18 | ظَلَمْنا | ہم نے ظلم کیا |
| 9 | فَجعلْناها | پس بنایا ہمنے اسے | 19 | خَلْقَهمْ | انکی پیدائش |
| 10 | فَضْله | اسکا فضل | 20 | خَلَقْناهمْ | ہمنے پیدا کیا انکو |

سوال نمبر۵: نیچے دیے گئے صرف ان الفاظ کے معنی لکھیے جن کے نیچے خط ہے۔ (نشانات : 30، ہر جواب پر 2 نشان).

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1 | وإن من شيْءٍ إلا يسبح بحمْدِه | 17.44 | اور کوئی چیز نہیں مگر (ہر شے) پاکیزگی بیان کرتی ہے اسکی حمد کے ساتھ |
| 2 | هذَا من فَضْل ربي ليَبْلُوني أأشْكُر أمْ أكْفُر | 27.40 | یہ میرے رب کے فضل سے ہے، تاکہ وہ مجھے آزمائے آیا میں شکر کرتا ہوں یا ناشکری کرتا ہوں |
| 3 | من ذَا الذي يشْفَع عنْده' إلا بإذْنِه | 2.255 | کون ہے جو سفارش کرے؟ اس کے پاس اس کی اجازت کے بغیر، |
| 4 | سُبْحانَ ربك رب العزة عما يصفُونَ | 37.180 | پاک ہے تمہارا رب، عزت والا رب، اس سے جو وہ بیان کرتے ہیں۔ |
| 5 | ومنْ آياته اللّيْلُ والنهار والشمْس والقَمر | 41.37 | اور اسکی نشانیوں میں سے ہیں رات اور دن، اور سورج اور چاند۔ |
| 6 | أولـٰئك على هدى مّن ربهم | Hadith | - وہی لوگ اپنے رب کی طرف سے ہدایت پر ہیں |
| 7 | ولا تكُونوا كالذين نسوا اللهَ فَأنساهمْ أنفُسهمْ | 59.19 | اور تم نہ ہوجاؤ ان لوگوں کی طرح جنہوں نے اللہ کو بھلادیا، تو اللہ نے (ایسا کردیا) کہ انہوں نے خود اپنے آپ کو بھلادیا۔ یہی نافرمان لوگ ہیں۔ |
| 8 | ربنا ولا تحْملْ علْينا إصْرا كما حملْته على الذين من قبْلنا | 2.286 | اے ہمارے رب! ہم پر بوجھ نہ ڈال، جیسے تونے ڈالا ہم سے پہلے لوگوں پر |
| 9 | ولا يحيطُونَ بشيْءٍ منْ علْمه إلا بما شاءَ | 2:255 | ، اور وہ نہیں احاطہ کرسکتے اس کے علم میں سے کسی چیز کا مگر جتنا وہ چاہے |
| 10 | ما أغْنى عنْه ماله وما كسب، | 111.2 | اس کے کام نہ آیا اس کا مال اور جو اس نے کمایا |
| 11 | الرحْمـٰن * علم الْقُرْآنَ * خلق الْإنسانَ * علمه الْبيانَ | 55:1-4 | نے قرآن سکھایا۔ اس نے انسان کو پیدا کیا۔ اس نے اسے بات کرنا سکھایا۔ |
| 12 | الذين إذَا أصابتْهم مصيبةٌ قَالُوا إنا لله وإنـا إلَيْه راجِعونَ | 2.156 | وہ جنہیں جب کوئی مصیبت پہنچے تو وہ کہیں گے یقیناہم اللہ کے لے ہیں اور یقینا ہم اس کی طرف لوٹ کر جانے والے ہیں |
| 13 | اللّهم انيْ اسْئلُك منْ فَضْلك | Hadith | اے اللہ بے شک میں تجھ سے تیرے فضل کا سوال کرتا ہوں ۔ |
| 14 | إن اللهَ خبير بما تعْملُونَ * | 59.18 | بیشک جو تم کرتے ہو اللہ اس سے با خبر ہے۔ |
| 15 | لَوْ أنزلنا هـٰذَا الْقُرْآنَ على جبلٍ لرأيته' خاشعا متصدعا منْ خشْية الله | 59.21 | اگر ہم نازل کرتے یہ قرآن کسی پہاڑ پر تو تم اس کو اللہ کے خوف سے دبا (جھکا) ہوا ٹکڑے ٹکڑے دیکھتے |